Dr.Uttam Kumar
SRAP College,Barachakia
Mob no-8210561032

Faculty -Commerce
Subject -Business Organisation
Class -2nd Semester
Session-2023-27

Topic

Meaning Of Business Organisation

9 सहकारी संगठन/समिति

[CO-OPERATIVE ORGANISATION/SOCIETIE

प्रारम्भिक (Introduction)

'सहकारिता' शब्द सहयोग की भावना का परिचायक है। इस शब्द का अर्थ ही सामान्य उद्देश्य के लिए मिल-जुल कार्य करना है। **'एक सबके लिए और सब एक के लिए'** की भावना पर आधारित यह एक जीवन पद्धति है। यह सामूहिक प्रवृत्ति है जो साथ रहने, मिल-जुलकर कार्य करने व एक-दूसरे की मदद करने के लिए मानव को प्रेरित करती है। सहकारिता का इतिहास वास्तव में मानव समाज का इतिहास है। **अथर्ववेद** में भी सहकारिता के सम्बन्ध में वर्णन किया गया है।

सहकारिता वास्तव में सफलता की कुन्जी है, विकास का आधार है। भूतपूर्व राष्ट्रपति **स्व. वी.वी. गिरि** के अनुसा "सहकारिता आन्दोलन हमारे विकास के प्रयासों में आत्म-निर्भरता की ओर एक रचनात्मक कदम है।" सहकारिता के क्र प्रसिद्ध चिन्तक **प्लेटो के** अनुसार, "दूसरों की भलाई में स्वयं अपनी भलाई निहित है।"

सहकारी संगठन का अर्थ
(MEANING OF CO-OPERATIVE ORGANISATION)

'सहकारिता' शब्द दो शब्दों **'सह' + 'कारिता'** के योग से बना है। **'सह'** का अर्थ साथ-साथ अर्थात् मिल-जुल और **'कारिता'** का अर्थ कार्य करने से है। इस प्रकार सहकारिता का शाब्दिक अर्थ मिलकर कार्य करने से हुआ। यह व्यावसा संगठन का वह प्रारूप है जिसमें व्यक्ति अपने आर्थिक हितों की उन्नति के लिए सामान्य उद्देश्य के लिए समानता के आ पर अपनी इच्छा से परस्पर मिल जाते हैं। इस प्रकार मिलने वाले व्यक्तियों का एक ही आर्थिक उद्देश्य होता है जिसको अपने व्यक्तिगत एकाकी कार्य से पूरा नहीं कर सकते क्योंकि उनमें से अधिकांश की आर्थिक दशा सन्तोषजनक नहीं हो अपने सभी साधनों को एक ही स्थान पर एकत्रित कर देने पर तथा सामूहिक प्रयत्नों से एवं अपने चरित्र-बन्धनों (Mo Bonds) को मजबूत बनाने और पूरा करने से उनकी वह आर्थिक कमजोरी दूर हो जाती है। सहकारिता द्वारा आपस में हो वाली प्रतिस्पर्द्धा का अन्त हो जाता है। सहकारिता का मूल सिद्धान्त **'एक सबके लिए और सब एक के लिए'** है। सहका समिति परस्पर **मिल-जुलकर कार्य करने वाले व्यक्तियों का एक ऐसा ऐच्छिक संगठन है जो समानता** के आधार **परस्पर आर्थिक हितों की अभिवृद्धि के लिए संगठित किया जाता है।**

सहकारी संगठन की परिभाषाएँ
(DEFINITIONS OF CO-OPERATIVE ORGANISATION)

सहकारिता का अर्थ एवं परिभाषा में समय के साथ परिवर्तन होते रहते हैं। सहकारिता को कुछ विद्वानों ने धर्म व नैतिक के आधार पर परिभाषित किया तो कुछ ने इसे आर्थिक आन्दोलन के रूप में। प्रमुख विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं

(1) **एम.टी. हैरिक** (M.T. Herrick) के अनुसार, "सहकारिता उन व्यक्तियों की एक ऐसी क्रिया है जो सामूहि लाभ के लिए पारस्परिक प्रबन्ध के द्वारा अपनी ही शक्तियों, साधनों या दोनों का सम्मिलित ढंग से उपयोग करते हैं।"

(2) **श्री एच. कलवर्ट** (H. Calvert) के अनुसार, "सहकारिता एक प्रकार का संगठन है जिसमें लोग मानव के रू में समानता के आधार पर अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सहयोग करते हैं।"[1]

(3) **प्रो. सेलिगमैन** (Seligman) के अनुसार, "सहकारिता का पारिभाषित अर्थ है वितरण और उत्पादन में प्रतियोगि का परित्याग कर समस्त प्रकार के मध्यस्थों को दूर करना।"[2]

---

1 "Co-operation is a form of organisation wherein persons voluntarily associate together as human beings on a basis of equali for the promotion of the economic interest of themselves." —H. Calv

2 "Co-operation in its technical sense means abandonment of competition in distribution and production and elimination middlemen of all kinds." —Seligma